



**अश्विनी भिडे**  
प्रबंध निदेशक, MMRC

# तेज गति से हो रहा मेट्रो-3 का निर्माण

## 50% भूमिगत मार्ग पूरा

**19 महीने में हासिल हुई यह उपलब्धि**

19 महीने के भीतर 'मेट्रो-3' परियोजना का 50% भूमिगत मार्ग मुंबई मेट्रो रेल कांफोरेशन (एमएमआरसी) ने पूरा कर लिया है और अब 56 किमी अप- डाउन लंबे भूमिगत मार्ग को निर्धारित समय के भीतर पूरा करने के लिए प्रशासन कटिबद्ध है. कुलाबा - बांद्रा से सीपज तक बनने वाले मेट्रो-3 मार्ग विश्व का सबसे लंबा भूमिगत मार्ग है. मेट्रो -3 परियोजना के रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं के बावजूद प्रशासन को यकीन है कि वह इस परियोजना को समय पर पूरा कर लेगा. मेट्रो-3 में वैश्विक स्तर के मानकों का पालन किया जा रहा है. भूमिगत मार्ग बनाने में एक भी दुर्घटना हुए बिना 19 महीनों के भीतर 50% भूमिगत मार्ग को

पूरा करना बड़ी उपलब्धि है. मुंबई मेट्रो रेल कांफोरेशन (MMRC) की प्रबंध निदेशक अश्विनी भिडे ने 'नवभारत' को बताया कि दक्षिण मुंबई की जर्जर इमारतों, मीठी नदी और उन्नत मुंबई मेट्रो -1 के नीचे से भूमिगत मार्ग का निर्माण हासिल के बिना संभव नहीं था. पर्यावरण पूरक, सभी नियमों का कड़ाई के पालन के साथ ही सुरक्षा से बिना कोई समझौता किए हम यह काम पूरा कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि भूमिगत मार्ग की खुदाई के लिए 17 मशीनें दिन-रात काम में लगी हैं. भूमिगत मार्ग निर्माण के दौरान बेस स्लैब, कॉन्कोर्स स्लैब, कॉलम और दीवार बनाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है. इसलिए निर्धारित समय के भीतर इस रुट पर मेट्रो चलने की पूरी उम्मीद है.



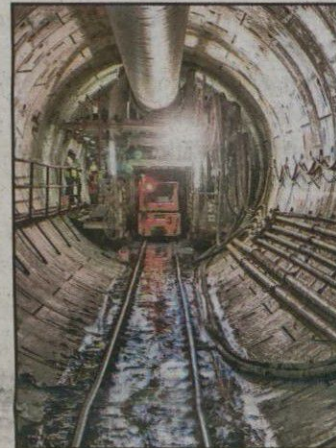
**हेरिटेज एरिया के लिए क्या कोई अलग प्लान है क्या?**

हां, हेरिटेज एरिया के लिए हमने कुछ अलग सोच रखा है. मुंबई के उन इलाकों में, जहां हेरिटेज इमारतें हैं, वहां के स्टेशनों पर एक्जिबिशन सेंटर बनाए जाएंगे. एक्जिबिशन सेंटर का लुक बेहतरीन होगा. इससे मेट्रो में सफर करने वालों को विरासत की जानकारी मिलेगी और उन्हें देखने में भी अलग महसूस होगा.

**भूमिगत मेट्रो की सुरक्षा और वायुब्रेशन नहीं होने के क्या इंतजाम किए गए हैं?**

टनल वेंटिलेशन और पर्यावरण कंट्रोल सिस्टम के लिए हमने टेकदार नियुक्त किए हैं. भारत में पहली बार एडवांस ट्रेक सिस्टम, ट्विन ब्लॉक स्लीपर मेट्रो प्रोजेक्ट में उपयोग किए जा रहे हैं. इससे मेट्रो में सफर के दौरान वायुब्रेशन (झटका) नहीं लगेगा. यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाजनक तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है. मेट्रो के ट्रेक पूरे प्रोजेक्ट के सबसे अहम हिस्से हैं. इसलिए हम चाहते हैं कि ट्रेक ढांचा सबसे आधुनिक हो और उसमें जब मेट्रो दौड़ेगी तो सबसे कम आवाज और वायुब्रेशन हो. इसलिए हम इस पहलू पर सबसे अधिक फोकस कर

रहे हैं. हम इस बात का भी ध्यान रख रहे हैं कि मेट्रो में यात्रियों का सफर आराम दायक हो.



### मुख्यमंत्री के वॉर रूम से निगरानी

श्रीमती भिडे ने बताया कि मेट्रो-3 परियोजना की मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय में बनाए गए वॉर रूम से सतत निगरानी रखने के अलावा रोजाना कार्य की समीक्षा भी की जा रही है. इस कार्य में हमें हिस्सेदारी निभाने वाली संस्थाएं और मुंबईकरों के सहयोग से यह परियोजना समय पर पूरा होने का भरोसा है.

**भूमिगत मार्ग का 13वां चरण पूरा**

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों नवंबर 2017 में नयानगर लॉचिंग शाफ्ट में कृष्णा -1 टीबीएम मशीन खुदाई के लिए उतारी गई थी. और अब भूमिगत मार्ग बनाने के लिए 17 टीबीएम मशीनें कार्यरत हैं. यह पहली बार है जब एक साथ इतनी टीबीएम मशीनें काम कर रही हैं. इस कारण 8 महीने के भीतर 12 चरण पूरे हो गए हैं. अब तक सीपज में 1-1 इंटरनेशनल एयरपोर्ट टो 2, सहार-2, एमआईडीसी, वरली,

इंटरनेशनल एयरपोर्ट - 1-1, दादर, विद्यानगरी और विधानभवन में 2 चरण कुल 13 चरण पूरे हो चुके हैं. टीबीएम उतारने के लिए कफ परेड, इरोस सिनेमा, आजाद मैदान, साइंस म्यूजियम, सिद्धिविनायक, नयानगर, बीकेसी, विद्यानगरी, पाली मैदान, सारीपुत नगर, सहार रोड़ और एयरपोर्ट टी 2 में लॉचिंग शाफ्ट बांधा गया था. निर्माणाधीन भूमिगत मार्ग में से सबसे बड़ा मार्ग विद्यानगरी से अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट तक का है. जिसकी लंबाई 3.9 किमी है.

जबकि सबसे छोटा सारिपुत नगर से सीपज तक का है जिसकी लंबाई 562 मीटर है. 28 किमी भूमिगत मार्ग तैयार करने के लिए कुल 19,495 सेगमेंट रिंग का उपयोग किया गया है. सेगमेंट रिंग्स मुंबई में 6 स्थानों पर तैयार हो रहा है जिसमें वडाला में 4, माहुल और जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड में 1-1 स्थान पर तैयार किया जा रहा है.

- ओ.पी.तिवारी

**जब रेलवे, बेस्ट से प्रतिस्पर्धा की बात आती है तो मुंबई मेट्रो का महत्व और स्थान कहां रहेगा?**

मेट्रो के सिवाय मुंबई में दूसरा कोई पर्याय नहीं है. यह इसलिए कि मेट्रो लाईन -3 पूरी तरह से भूमिगत है और इसके पूरा होने के बाद इसमें 17 लाख यात्री सफर कर सकेंगे. इससे बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम ईंधन बचेगा और पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा. यह एक दिन में 25000 पैसेंजर रोज द्रोएगी तो अनुमान लगाइये कि उतने पैसेंजर ढोने के लिए कितनी बसों की आवश्यकता पड़ेगी. कम से कम 1,000 बसों की जरूरत होगी. इनमें कितना डीजल बचेगा और प्रदूषण काफी कम होगा. यह शहर को सस्टेनेबल बनाता है. हमें स्ट्रॉंग परिवहन की जरूरत है. इसलिए शहर में मेट्रो के अलावा दूसरा पर्याय नहीं है.

**कारशेड को लेकर मेट्रो का काम प्रभावित होगा क्या?**

कारशेड के कारण थोड़ा विलंब जरूर हुआ, लेकिन मामला सुलझ गया है. कुछ लोगों ने पर्यावरण, ट्री प्रोटेक्शन के नाम पर कोर्ट में गलत मामले पेश किए थे. कोर्ट ने हमारे पक्ष में आदेश दिया है. हम ट्री प्रोटेक्शन के दायरे में रह कर काम कर रहे हैं. हमने ट्री अर्थॉरिटी में मामले को रखा है. वहां से निर्णय आते ही काम शुरू हो जाएगा. 10 हजार हेक्टेयर जमीन का काम पूरा हो चुका है.

**दक्षिण मुंबई से लोगों को शिफ्टिंग में कितनी परेशानी हुई?**

काम करने में कठिनाईयां तो आती हैं. हमारे पास जमीन नहीं थी. अप्रूवल मिलने के बाद 2800 परिवारों को शिफ्ट किया. लोगों का विरोध झेलना पड़ा लेकिन मुख्यमंत्री और सरकार की सहायता से यह काम भी पूरा हो गया. अब कोई समस्या नहीं है. अलग - अलग विभागों की सरकारी 75 हेक्टेयर जमीन लेकर लोगों को घर उपलब्ध कराया है. पांच साल में इसे पूरा करने का सपना था. यह सपना 2022 में पूरा होने जा रहा है.